देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए जनजातीय समाज के नायक–नायिकाओं ने अपना सर्वस्व योगदान दिया : किरण देव

जगदलपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक किरण सिंह देव, महापौर सफीरा साहू, पदमश्री धरमपाल सैनी, कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं जनजातीय समाज के प्रमुख उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने कहा कि अतीत में जब-जब देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष की जरूरत थी जनजातीय समाज के नायक-नायिकाओं ने अपना सर्वस्व योगदान दिया। सन् 1774 से 77 के बीच शहीद अजमेर सिंह ने समाज और देश के लिए अविस्मरणीय संघर्ष किया। ऐसे कई नायकों को हम नहीं जानते हैं जिन्हें जानना जरूरी है। हम क्या थे, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी इसे जानना आवश्यक है। श्री देव ने बताया कि पिछले 15 नवंबर को केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में देश के पांच सौ जिले में भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती मनाई गई। अब हमारे सिलेबस में भी जनजातीय शहीदों का नाम होगा। प्रमुख वक्ता सतीश गोकुल पांडा ने भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी के बलिदानों और मानगढ़ की पहाड़ी के संघर्षों को याद दिलाते हुए कहा कि इतिहास में रानी दुर्गावती ने स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया। रानी दुर्गावती ने मुगलों की छोटी शर्त भी नहीं मानी। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ शासन व्यवस्था भी दी थी। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता श्री पंडा ने कहा कि अतीत में जनजातीय समाज ने अंग्रेजों को सबसे अधिक हानि पहुंचाया। इस समाज के वीरों ने कभी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके। लेकिन आजादी के बाद भी इस समाज को देखने की अंग्रेजियत दृष्टि बची है। इस जीवंत समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास करते हैं। आज भी जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सरल है। यह समाज एक के लिए सब के भाव से जीता है। हम सबका मूल जनजातीय समाज ही है।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम

उपस्थित युवाओं को प्रेरित करने के लिए विश्व के प्रख्यात विवि के रिसर्च का जिक्र करते हुए श्री पांडा ने कहा कि आज हमारे जीवन में पढ़ाई का साढ़े 12 प्रतिशत ही योगदान होता है और आत्मविश्वास, कम्युनिकेशन जैसे सॉफ्ट स्किल का योगदान साढ़े 87 प्रतिशत रहता है। इसलिए हमें सॉफ्ट स्किल पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम ने कहा कि इतिहास में जितना स्थान जनजातीय समाज को मिलना चाहिए उतना नहीं मिला है। समाज की अच्छाईयों पर हमें भरोसा करना चाहिए। डॉ. गंगाराम कश्यप ने कहा कि यह जनजातीय समाज संस्कृति के मामले में बहुत ही समृद्ध है। इसमें छुआछूत जैसी सामाजिक समस्याएं नहीं हैं। इससे पूर्व अपने स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एक सोच और विचारधारा थे। जिन्हें समाज ने भगवान के रूप में चिन्हित किया। हम भगवान बिरसा के जीवन के जितने पन्ने पलटेंगे उतने वे हमारे हृदय में उतरेंगे। जब अंग्रेज सर्वस्व लूट रहे थे तो भगवान बिरसा ने अतुलनीय प्रतिकार किया। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में होने वाले विमर्श से जनजातीय युवाओं में आत्मविश्वास जागेगा। इस अवसर पर जनजातीय समाज के प्रमुखों का शेष पृष्ठ 9 पर

Scanned with OKEN Scanner

देश, समाज, धर्म और संस्कृति ...

शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार एवं डॉ. दिलेश जोशी ने किया। आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने किया। कार्यक्रम में पप्पुराम नाग, रतन कश्यप, लोकनाथ नाग, जगदीश मौर्य, हिड़मा मंडावी, एसएन सेवता, बाबूलाल बघेल, हरिप्रसाद पन्ना, दशरथ कश्यप सहित विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शरद नेमा, डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, डॉ. सुकीर्ति तिर्की, डॉ. विनोद कुमार सोनी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

आयोजन

जनजातीय समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास है

हम, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी यही बताता है गौरव दिवस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में विधायक किरण सिंह देव, महापौर सफीरा साहू, पदमश्री धरमपाल सैनी, कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं जनजातीय समाज के प्रमुख उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने कहा कि अतीत में जब-जब देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष की जरूरत थी जनजातीय समाज के नायक-नायिकाओं ने अपना सर्वस्व

जगदलपुर. शहीद महेंद्र कर्मा विवि में हुए आयोजन में मौजूद वक्ता।

योगदान दिया। सन 1774 से 77 के बीच शहीद अजमेर सिंह ने समाज और देश के लिए अविस्मरणीय संघर्ष किया। ऐसे कई नायकों को हम नहीं जानते हैं जिन्हें जानना जरूरी है। हम क्या थे, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी इसे जानना आवश्यक है।

प्रमुख वक्ता सतीश गोकुल पांडा ने कहा कि इतिहास में रानी दुर्गावती ने स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया। रानी दुर्गावती ने मुगलों की छोटी शर्त भी नहीं मानी। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ शासन व्यवस्था भी दी थी।

हमें सॉफ्ट स्किल पर विशेष ध्यान देना चाहिए

पूर्व विधायक श्री राजाराम तोड़ेम ने कहा कि समाज की अच्छाईयों पर हमें भरोसा करना चाहिए। डॉ. गंगाराम कश्यप ने कहा कि यह जनजातीय समाज संस्कृति के मामले में बहुत ही समृद्ध है। इसमें छूआछूत जैसी सामाजिक समस्याएं नहीं हैं। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एक सोच और विचारधारा थे। जिन्हें समाज ने भगवान के रूप में चिन्हित किया। हम भगवान बिरसा के जीवन के जितने पन्ने पलटेंगे उतने वे हमारे हृदय में उतरेंगे। जब अंग्रेज सर्वस्व लूट रहे थे तो भगवान बिरसा ने अतुलनीय प्रतिकार किया। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सबसे सरल

श्री पांडा ने कहा कि अतीत में जनजातीय समाज ने अंग्रेजों को सबसे अधिक हानि पहुंचाया। इस समाज के वीरों ने कभी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके। लेकिन आजादी के बाद भी इस समाज को देखने की अंग्रेजियत दृष्टि बची है। इस जीवंत समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास करते हैं। आज भी जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सरल है।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में पप्पुराम नाग, रतन कश्यप, लोकनाथ नाग, जगदीश मौर्य, हिड़मा मंडावी, एसएन सेवता, बाबूलाल बघेल, हरिप्रसाद पन्ना, दशरथ कश्यप सहित विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शरद नेमा, डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, डॉ. सुकीर्ति तिर्की, डॉ. विनोद कुमार सोनी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार एवं डॉ. दिलेश जोशी ने किया। आभार कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने किया।

Scanned with OKEN Scanner

शमक विवि में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन

जनजातीय जन नायकों का त्याग अविस्मरणीय : किरण

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने कहा कि अतीत में जब-जब देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष की जरूरत थी, जनजातीय समाज के नायक-नायिकाओं ने अपना सर्वस्व योगदान दिया। सन् 1774 से 77 के बीच शहीद अजमेर सिंह ने समाज और देश के लिए अविस्मरणीय संघर्ष किया। ऐसे कई नायकों को हम नहीं जानते हैं जिन्हें जानना जरूरी है।

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक किरण सिंह देव, महापौर सफीरा साहू, पदमश्री धर्मपाल सैनी, कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं जनजातीय समाज के प्रमुख उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री देव ने कहा कि हम क्या थे, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी इसे जानना आवश्यक है। श्री देव ने बताया कि पिछले 15 नवंबर को केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में देश के पांच सौ जिले में भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती मनाई गई। अब हमारे सिलेबस में भी जनजातीय शहीदों का नाम होगा। स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एक सोच और विचारधारा थे, जिन्हें समाज ने भगवान के रूप में चिन्हित किया। हम भगवान बिरसा के जीवन के जितने पन्ने पलटेंगे उतने वे हमारे हृदय में उतरेंगे। जब अंग्रेज सर्वस्व लूट रहे थे तो भगवान बिरसा ने अतुलनीय प्रतिकार किया। पूर्व विधायक श्री राजाराम तोड़ेम ने कहा कि इतिहास में जितना स्थान जनजातीय समाज को मिलना चाहिए उतना नहीं मिला है। समाज की अच्छाईयों पर हमें भरोसा करना चाहिए। डॉ. गंगाराम कश्यप ने कहा कि यह जनजातीय समाज संस्कृति के मामले में बहुत ही समृद्ध है। इसमें छूआछूत जैसी सामाजिक समस्याएं नहीं हैं।

जनजातीय समाज हम सबका मूल : पण्डा

प्रमुख वक्ता सतीश गोकुल पांडा ने कहा कि अतीत में जनजातीय समाज ने अंग्रेजों को सबसे अधिक हानि पहुंचाया। इस समाज के वीरों ने कभी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके। लेकिन आजादी के बाद भी इस समाज को देखने की अंग्रेजियत दृष्टि बची है। इस जीवंत समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास करते हैं। आज भी जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सरल है। यह समाज एक के लिए सब के भाव से जीता है, हम सबका मूल जनजातीय समाज ही है।

जजा समाज प्रमुखों का किया गया सम्मान

इस अवसर पर जनजातीय समाज के प्रमुखों का शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार एवं डॉ. दिलेश जोशी ने किया। आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने किया। कार्यक्रम में पप्पुराम नाग, गंगाराम कश्यप, रतन कश्यप, लोकनाथ नाग, जगदीश मौर्य, हिड़मा मंडावी, एमएन सेवता, बाबूलाल बघेल, हरिप्रसाद पन्ना, दशरथ कश्यप सहित विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शरद नेमा, डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, डॉ. सुकीर्ति तिर्की, डॉ. विनोद कुमार सोनी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

जनजातीय समाज के वीरों का योगदान अविस्मरणीय

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में बस्तर विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम हुआ। इसमें स्थानीय विधायक, महापौर सफीरा साहू, पद्मश्री धरमपाल सैनी, कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव व जनजातीय समाज के प्रमुख उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि अतीत में जब-जब देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष की जरूरत थी जनजातीय समाज के नायक-नायिकाओं ने सर्वस्व योगदान दिया। 1774 से 77 के बीच शहीद अजमेर सिंह ने समाज और देश के लिए अविस्मरणीय संघर्ष किया। ऐसे कई नायकों को हम नहीं जानते हैं जिन्हें जानना जरूरी है। हम क्या थे, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी इसे जानना आवश्यक है। वक्ता सतीश गोकुल पांडा ने भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी के बलिदानों और मानगढ़ की पहाड़ी के संघर्षों को याद दिलाते हुए कहा कि इतिहास में रानी दुर्गावती ने स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया। रानी दुर्गावती ने मुगलों की छोटी शर्त भी नहीं मानी। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ शासन व्यवस्था भी दी थी। पांडा ने कहा कि जनजातीय समाज ने अंग्रेजों को सबसे अधिक हानि पहुंचाई। इस समाज के वीरों ने कभी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके, लेकिन आजादी के बाद भी इस समाज को देखने की अंग्रेजियत दृष्टि बची है। इस जीवंत समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास करते हैं। आज भी जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सरल है। यह समाज एक के लिए सब के भाव से जीता है।

जगदलपुर। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे अतिथि।

कुलपति बोले- बिरसा मुंडा एक सोच व विचारधारा थे

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एक सोच और विचारधारा थे, जिन्हें समाज ने भगवान के रूप में चिन्हित किया। हम भगवान बिरसा के जीवन के जितने पन्ने पलटेंगे उतने वे हमारे हृदय में उतरेंगे। जब अंग्रेज सर्वस्व लूट रहे थे तो भगवान बिरसा ने अतुलनीय प्रतिकार किया। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में होने वाले विमर्श से जनजातीय युवाओं में आत्मविश्वास जागेगा।

Scanned with OKEN Scanner